KJ-1005

B.A. (Part - I)

Term End Examination, 2020

HINDI LITERATURE

Paper - II

हिन्दी कथा साहित्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7×3

(क) ''नाटक उस समय पास होता है, जब रसिक समाज उसे पसंद कर लेता है। बारात का नाटक उस वक्त पास होता है,

जब राह चलता आदमी उसे पसंद कर लेता है। नाटक की परीक्षा चार-पाँच घण्टे तक होती रहती है, बारात की परीक्षा के लिए केवल कुछ मिनटों का समय होता है। सारी सजावट, सारी दौड़-धूप और तैयारी का निपटारा पाँच मिनट में ही हो जाता है। अगर सबके मुँह से वाह-वाह निकल गया तो तमाशा पास, नहीं फेल, रुपया मेहनत, फिक्र सब अकारथ।''

अथवा

''रुदन में कितना उल्लास, कितनी शाँति, कितना बल है। जो कभी एकांत में बैठकर किसी की स्मृति, किसी के वियोग में सिसक-सिसक कर और बिलख-बिलख कर नहीं रोया, वह जीवन के ऐसे सुख से वंचित है जिस पर सैकड़ों हँसियाँ न्यौछावर है। हँसी के बाद मन खिन्न हो जाता है, आत्मा क्षुब्ध हो जाती है। रुदन के पश्चात एक नवीन स्फूर्ति, एक नवीन जीवन, एक नवीन उत्साह का अनुभव होता है।''

(ख) ''ज्यों-ज्यों अँधेरा बढ़ता था और सितारों की चमक तेज होती थी, मधुशाला की रौनक भी बढ़ती जाती थी। कोई गाता था, कोई डींग मारता था कोई अपने संगी के गले में लिपटा जाता था। कोई अपने दोस्त के मुँह में कुल्हड़ लगाए देता था। वहाँ के वातावरण में सरुर था, हवा में नशा कितने तो यहाँ आकर एक चुल्हू में मस्त हो जाते थे। शराब से ज्यादा यहाँ की हवा उन पर नशा करती थी। जीवन की बाधाएँ यहाँ खींच लाती थी और कुछ देर के लिए वे यह भूल जाते थे कि वे जीते हैं या मरते हैं या न जीते हैं न मरते हैं।''

अथवा

''भय से चीखकर ओट में हो जाने के लिए भागती हुई औरतों पर दया कर भीड़ छँट गई। चौधरी बेसुध पड़े थे। जब उन्हें होश आया ड्योढ़ी का परदा आँगन में सामने पड़ा था, परन्तु उसे उठाकर फिर से लटका देने की सामर्थ्य उनमें शेष न थी। शायद अब उसकी आवश्यकता भी न थी। परदा जिस भावना का अवलम्ब था, वह मर चुकी थी।''

(ग) ''रक्खे ने सीधा होने की चेष्टा की क्योंकि उसकी रीढ़ की हड्डी बहुत दर्द कर रही थी। अपनी कमर और जाँघों के जोड़ पर उसे सख्त दबाव महसूस हो रहा था। पेट की अंतड़ियों के पास से जैसे कोई चीज उसकी साँस रोक रही थी। उसका सारा जिस्म पसीने से भीग गया था और तलुओं में चुनचुनाहट हो रही थी। बीच-बीच में नीली फुलझड़ियाँ सी ऊपर से उतरती और तैरती हुई उसकी आँखों के सामने से निकल जाती। उसे अपनी जुबान और होठों के बीच एक फासला सा महसूस हो रहा था।''

अथवा

''एक कामयाब पार्टी वह है जिसमें ड्रिंक कामयाबी से चल जाए। शामनाथ की पार्टी सफलता के शिखर चूमने लगी। वार्तालाप उसी रौ में बह रहा था, जिस रौ में गिलास भरे जा रहे थे। कहीं कोई रूकावट न थी, कोई अड़चन न थी। साहब को व्हिसकी पसंद आई थी। सोफा-कवर का डिजाइन पसन्द आया, कमरे की सजावट पसंद आई थी। इससे बढ़कर क्या चाहिए।''

2. ''‘गबन’ में वर्णित समस्याएँ आज भी समाज में मौजूद हैं।'' विवेचना कीजिए। 12

अथवा

रमानाथ की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

3. ‘परदा’ कहानी का सारांश लिखते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

फणीश्वरनाथ रेणु द्वारा रचित ‘ठेस’ कहानी के आधार पर सिरचन की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×3

(क) ‘उपेन्द्रनाथ अश्क’ की साहित्यिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए।

(ख) बालशौरि रेड्डी की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ग) ‘ठेस’ कहानी का उद्देश्य बताइए।

(घ) गदल कहानी की विशेषताएं लिखिए।

(ङ) हिन्दी कहानी के विकास के इतिहास पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पन्द्रह** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 1×15

(क) कथा साहित्य में (पाठ्य-पुस्तक) कितनी कहानियाँ संकलित की गई हैं ?

(ख) 'जली हुई रस्सी' के कहानीकार कौन हैं ?

(ग) 'माधव' किस कहानी का पात्र है ?

(घ) 'चीफ की दावत' कहानी किसने लिखी है ?

(ङ) उपन्यास के कितने तत्व होते हैं ?

(च) जयशंकर प्रसाद की कौन सी कहानी आपके पाठ्यक्रम में है ?

(छ) 'रक्खे पहलवान' किस कहानी का पात्र है ?

(ज) 'शीतल पाटी' बनाने वाले कलाकार का नाम लिखिए।

(झ) शिवानी का जन्म कहाँ हुआ था ?

(ञ) 'उपेन्द्रनाथ अश्क' की प्रमुख कहानियों में से किन्हीं दो का नाम लिखिए।

(ट) बालशौरि रेड्डी की प्रथम प्रकाशित पुस्तक का नाम लिखिए।

(ठ) आँचलिक उपन्यासकार का क्या नाम है ?

(ड) जालपा के पिता का नाम लिखिए।

(ढ) गदल के बड़े पुत्र का नाम लिखिए।

(ण) रतन के पति इन्दुभूषण का पेशा क्या है ?

(त) देवीदीन किस शहर में रहता है ?

———